Total No. of Questions - 5] [Total Pages : 3

(2022)

9368

M.A. IIIrd Semester Examination

SANSKRIT

(Kavya-Shastra)

Paper–XII

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : नियमित छात्रों के अंक कोष्ठक के बाहर दिए गए हैं। प्राईवेट विद्यार्थियों के अंक कोष्ठक के अन्दर दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर हल करें।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** दोषों के लक्षण लिखकर सोदाहरण विवेचन करें।

   (क) अश्लील (पदगत-दोष)।

   (ख) अविमृष्टाविधेयांश (वाक्यगत-दोष)।

   (ग) सन्दिग्ध (अर्थ-दोष)।

   (घ) प्रकृति-विपर्यय (रस-दोष)। 2×8=16 (2×10=20)

2. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** सन्दर्भों की व्याख्या करें–

(क) आश्रयैक्ये विरुद्धो यः स कार्योभिन्नसंश्रयः।
रसान्तरेणान्तरितो नैरन्तर्येण यो रसः।।

(ख) स्मर्यमाणो विरुद्धोऽपि साम्येनाथ विवक्षितः।
अङ्गिन्यङ्गत्वमाप्तौ तौ न दुष्टौ परस्परम्।।

(ग) उपकुर्वन्ति त सन्त येऽङ्गद्वारेण जातुचित्।
हारादिवदलङ्काटास्तेऽनुप्रासोपमादयः।।

(घ) दीप्त्यात्मविस्तृतेर्हेतुरोजो वीररसस्थिति।
बीभत्सरौद्ररसयोस्तस्थाधिकं क्रमेण च।। 2×8=16

(2×10=20)

3. मम्मट के द्वारा कथित वाक्यगत दोषों का विस्तार से वर्णन करें।

अथवा

काव्य प्रकाश के अनुसार उपमा अलंकार का लक्षण देकर उसके भेदों का विस्तार से विवेचन करें। 16(20)

4. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** सन्दर्भों की व्याख्या करें–

(क) यदुक्तमन्यथावाक्यमन्यथाऽन्येन योज्यते।
श्लेषेण काक्वा वा ज्ञेया सा वक्रोक्ति स्तथा द्विधा।।

(ख) वाच्यभेदेन भिन्ना यद् युगपद्भाषणस्पृशः।
श्तिष्यन्ति शब्दाः, श्लेषोऽसावक्षरादिभिरष्टथा।।

(ग) सम्भावनमथोत्प्रेज्ञा प्रकृतस्य समेन यत्।

समेन उपमानेन।।

(घ) सा सद्रोक्तिः सद्रार्थस्य बलादेकं द्विवाचकम्। 2×8=16

(2×10=20)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलङ्कारों का लक्षण लिखकर सोदाहरण स्पष्टीकरण करें–

(क) अनन्वय।

(ख) रुपक।

(ग) विशेषोक्ति।

(घ) परिकट। 2×8=16

(2×10=20)